पतिव्रता पत्नी जवान लड़के से मजा लेकर चुदी- 5

“हॉट क्रीमी बूब्ज़ का मजा लिया मैंने एक शर्मीली भाभी के. उसके पति ने खुद मुझे अपनी पत्नी की चूत चुदाई के लिए बुलाया था. परन्तु अब वह सेक्स के लिए मना करने लगी. ...”

Story By: हर्ष राय (harsh.roy)
Posted: Tuesday, December 17th, 2024
Categories: Hindi Sex Story
Online version: पतिव्रता पत्नी जवान लड़के से मजा लेकर चुदी- 5

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पतिव्रता पत्नी जवान लड़के से मजा लेकर चुदी- 5

हॉट क्रीमी बूब्ज़ का मजा लिया मैंने एक शर्मीली भाभी के. उसके पति ने खुद मुझे अपनी पत्नी की चूत चुदाई के लिए बुलाया था. परन्तु अब वह सेक्स के लिए मना करने लगी.

कहानी के चतुर्थ भाग
पति ने पत्नी की चुदाई के लिए गैर मर्द को बुलाया
में आपने पढ़ा कि मैं लगातार अपनी बीवी को गैर मर्द से चुदाई के लिए मना रहा था. उसने एक बार के लिए हाँ की तो मैंने उसके लिए लंड का इंतजाम भी कर लिया.

अब आगे हॉट क्रीमी बूब्ज़ का मजा :

मैं कार के अंदर बैठा तो मैंने देखा की आगे वाले सीट पर रश्मि बैठी हुई है.
मैंने रश्मि को नमस्ते की.
बदले में उसने भी मुझे मुस्कुराकर नमस्ते की।
फिर मैं पीछे वाले सीट पर बैठ गया।

वे मुझे एक 5 स्टार रेस्टोरेंट में ले गए।

जैसे ही हम कार से बाहर निकले, मैंने पूछा- यह कहां ले आए ?
अनीश- भाई, तुमने इतना लंबा सफर किया है, खाना भी नहीं खाया होगा। जैसे ही तुम्हारे आने की सूचना मिली, हमने भी रात का खाना नहीं बनाया और सोचा कि रात का खाना हम तीनों बाहर करेंगे। चलो अंदर चलते कुछ खा लेते हैं।

उसके बाद मैंने रश्मि पर नजर डाली।
अंदर कार के अंधेरे में तो मैंने उसे ठीक से देख हीं नहीं पाया था।

रश्मि हरे रंग की पारदर्शी साड़ी, जिसका बॉर्डर गुलाबी रंग का था, और गुलाबी रंग का ब्लाउज पहने हुई थी।
उसके होठों पर गुलाबी रंग की लिपस्टिक और हाथ में हरे रंग की चूड़ियां पहनी हुई थी।

तब मेरी नजर रश्मि की कमर पर गई।
उसकी सफेद दूधिया कमर पारदर्शी साड़ी में मुझे आकर्षित कर रहे थे।

मेरा बार-बार मन कर रहा था कि रश्मि की कमर को पकड़ कर दबाऊं।
पर मैंने अपने ऊपर काफी कंट्रोल किया।
फिर हम तीनों एक टेबल पर बैठे और फिर हम तीनों ने ही नॉनवेज आर्डर किया।

मैं खाना खाते हुए रश्मि की ओर देख रहा था।
रश्मि मुझसे नज़रे चुरा रही थी।

अनीश- भाई तुम्हारी दीवानगी भी मानना पड़ेगा कल आने के जगह आज ही आ गए।
मैं- भाई मैं क्या करूं … भाभी है ही इतनी सुंदर कि मुझसे रहा ही नहीं गया और मैं उनके दीदार करने चला आया।

इस पर अनीश हंसा पर रश्मि ने बनावटी मुस्कुराहट की।

मैं समझ गया कि जरूर कुछ गड़बड़ है।

तभी मैंने अनीश को इशारे से थोड़ा दूर चलकर बात करने को कहा।

हम दोनों उठे और थोड़ा दूर जाकर मैंने पूछा- क्या बात है भाई, रश्मि का मूड मुझे कुछ

ठीक नहीं लग रहा ?
अनीश- भाई क्या बताऊं … एक गड़बड़ हो गई … रश्मि का मन नहीं है.
मैं- क्यों, क्या हुआ ?

अनीश- राज भाई, जब से रश्मि को आपकी कम उम्र का पता चला है, वह आपके साथ सेक्स करने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि आप अभी छोटे हो और वह आपके के साथ सेक्स नहीं करेगी। उसे इसमें अपना अपमान लगता है।
मैं मुस्कुराते हुए बोला- कोई बात नहीं, पर अब तो मैं आ गया और मैं हिम्मत नहीं हारूंगा।

अनीश- तो आप क्या करोगे ?
मैं- बस मैं जैसा कहूं, तुम वैसा करते जाओ. फिर देखो तुम्हें क्या नजारा देखने को मिलेगा।

अनीश समझ गया, उसने कहा- मैं आपके साथ हूँ, रश्मि को आपसे चुदती हुई देखने के लिए मैं कुछ भी कर सकता हूं।

उसके बाद मैंने अपना सारा प्लान अनीश को समझा दिया।
फिर उसके बाद हम लोग खाना खाने लगे।

इस दौरान मैं बार-बार रश्मि की दूधिया छाती देख रहा था।

मुझे ऐसा करते देखा रश्मि ने तुरंत अपनी साड़ी का पल्लू थोड़ा और ऊपर किया।
रश्मि आंखें दिखाती हुई- तो आपको पता चल गया ना … मुझे आपके साथ कुछ नहीं करना है।
मैं मुस्कुराते हुए बोला- जी पता है।
रश्मि- तो आप कल ही सुबह यहां से चले जाना।

अनीश डांटते हुए- रश्मि, क्या मेहमान से ऐसी बात करते हैं ?
खाना खत्म होने के बाद फिर हमने वाईन ऑर्डर किया।

रश्मि- क्या आप भी पीते हैं।
मैं- जी, अब क्या करें … आपने तो बीच मझधार में धोखा दे दिया. तो उसका गम तो भूलने के लिए पीना ही पड़ेगा।
अब जाकर फाइनली रश्मि हंसी।

उसकी मुस्कुराहट से उसकी खूबसूरती और निखर गई।
मैं- क्या आप भी पीती हैं ?
रश्मि- नहीं, ओनली सॉफ्ट ड्रिंक !

फिर हम तीनों मजे से अपना-अपना ड्रिंक पीने लगे।
इस दौरान अनीश का थोड़ा सा हाथ लगने की वजह से रश्मि का ड्रिंक उसकी साड़ी पर गिर गया।
रश्मि- ओह … आपने यह क्या किया।
अनीश- जाओ, जल्दी से वॉशरूम जाकर धो लो।

रश्मि जैसे ही वहां से गई, अनीश ने तुरंत रश्मि के ड्रिंक में थोड़ा सा वाईन मिला दिया।
मैं- इतने से भला क्या होगा … थोड़ा और मिलाओ।
अनीश ने थोड़ा और मिला दिया।

अब इतना काफी था रश्मि के होश उड़ाने के लिए।
तभी रश्मि आई और ड्रिंक पीने लगी।
उसे थोड़ा अजीब तो लगा पर उसने इग्नोर किया।

उसने फिर से आधा गिलास भरा।
तभी मैंने अनीश को यहां से जाने का इशारा किया.
वह एक बहाना बना कर तुरंत वहां से चला गया।

अब सिर्फ हम दोनों ही बैठे थे।
तभी मैंने रश्मि से वाईन की बोतल आगे बढ़ाने को कहा।
उसने बोतल आगे बढ़ाई।

तभी मैंने नीचे से अपने पैर को उसके पैर पर हल्के से रखा।
उसे हल्के से मेरे पैर का स्पर्श महसूस हुआ पर उसने इग्नोर किया।

तभी मैं अपने पैर से उसके पैर को रगड़ने लगा।
उसने मेरी तरफ देखा और तुरंत अपना पैर हटा लिया।

रश्मि मुझे कुछ कहती … इससे पहले अनीश वहां आ गया।
वह रश्मि के कंधे पर हाथ रखते हुए बोला- सब ठीक है ना डार्लिंग ?
रश्मि- हां।

तभी अनीश ने रश्मि को थोड़ा अपने में बिजी किया और मैंने तुरंत रश्मि के गिलास में अपने गिलास से थोड़ी वाईन और मिला दी।
उसके बाद फिर से हम ड्रिंक करने लगे।

रश्मि को फिर थोड़ा अजीब लगा- कोला थोड़ा अजीब लग रहा है।
अनीश- लगता है तुमने खाना ज्यादा खा लिया है, इसलिए तुम्हें ऐसा लग रहा है।

तभी मैं रश्मि को चुनौती देते हुए बोला- लगता है भाभी जी अब इससे ज्यादा नहीं पी पाएंगी।

मेरे ऐसा कहते ही रश्मि ने तुरंत पूरा गिलास खत्म कर दिया।

हम दोनों काफी खुश हुए.

उसके बाद वहां से जाने लगे।

जैसे ही हम तीनों उठे, रश्मि थोड़ा लड़खड़ाई।
लेकिन अनीश ने उसे संभाल लिया और उसे पकड़ कर पार्किंग में जाने लगे।

रश्मि की हालत देख कर लग रहा था कि उसे नशा चढ़ गया है।

जब रश्मि आगे बैठने लगी तो अनीश ने कहा- तुम पीछे वाले सीट पर बैठ जाओ, तुम्हारे हालात कुछ ठीक नहीं लग रही है।

अनीश ने उसे पीछे वाले सीट पर बैठा दिया और मुझे आंख मारते हुए कहा- भाई, तुम भी पीछे वाले सीट पर रश्मि के साथ बैठ जाओ और उसका ध्यान रखना।
मैं मुस्कुराते हुए बोला- क्यों नहीं भाई!
और मैं भी पीछे वाली सीट पर बैठ गया।

मुझे देखते ही रश्मि बोली- तुम यहां? तुम आगे वाले सीट पर बैठो।
तभी अनीश ने कहा- अरे यार, कोई तो तुम्हारा ध्यान रखने के लिए पीछे होना चाहिए ना!

उसके बाद गाड़ी चल पड़ी।
गाड़ी के अंदर बिल्कुल अंधेरा था।

रश्मि एकदम मदहोश हालत बैठी थी।
मैंने अपने एक हाथ से रश्मि के हाथ को पकड़ा तो उसने तुरंत हाथ छुड़ा लिया.
उसके बाद फिर मैंने उसकी जांघों पर हाथ रखा।

मदहोशी की हालत में इसका उसे पता नहीं चला.
लेकिन जैसे ही मैं उसकी जांघों को रगड़ने लगा, उसे महसूस हुआ, वह मुझे थोड़ा दूर हट गई।

फिर मैं थोड़ा और उसके करीब सरका।
उसके बाद मैंने पीछे हाथ डालकर उसकी नंगी पीठ पर हाथ फेरा।
वाह … कितनी कोमल और गोरी पीठ थी उसकी!

वह थोड़ा सिहरी पर उसने मेरा विरोध नहीं किया।

फिर मैंने थोड़ा और हाथ बढ़ाकर दूसरी तरफ के उसकी नंगी कमर को पकड़ लिया।
उसके मुंह से हल्की सी आह की सिसकारी निकली।

फिर मैं उसकी नंगी कमर को और रगड़ने और दबाने लगा।
वह दूसरे हाथ से अपने कमर पर पड़े मेरे हाथ को छुड़ाने लगी।

लेकिन मैं छोड़ने को तैयार नहीं था.

फिर मैंने उसे अपनी तरफ खींच लिया।

अब अब वह पूरी तरह मुझ से सट गई।
फिर मौका देख मैंने उसके गोरे गालों पर हल्के से किस कर लिया।

मेरे से अचानक हमलें का उसे जरा भी अंदाजा नहीं था।

फिर मैंने अपना दूसरा हाथ उसके तने हुए मम्मे पर रख दिया और बस हल्का सा ही दबाया.
उसके मुंह आह की आवाज निकल गई।

तभी मैं समझ गया की रश्मि पर वाईन के नशे अपना सुध बुध खो बैठी है।

मैंने अनीश को खास का इशारा किया।
अब हमारा दूसरा प्लान शुरू हो गया था।

अनीश ने किसी अंधेरे जगह के पास कार को सड़क के किनारे पर लगाया- मैं अभी थोड़ा सिगरेट खरीद कर आता हूं।
यह कह कर अनीश वहां से चला गया।

अनीश के जाते ही मैंने रश्मि का अपनी ओर खींचा और तुरंत उसका पल्लू पकड़ के नीचे सरका दिया।
अब उसके गोरे बूब्स गुलाबी ब्लाउज के अंदर मेरे सामने आ गये।

मैंने तुरंत उसके बूब्स को अपने एक हाथों से पकड़ लिया और ब्लाउज के ऊपर से ही उसे दबाने लगा।

रश्मि 'आह आह' की आवाज करने लगी।
और उसी के साथ वह मेरा हाथ पकड़ के अपने बूब्स को छुड़ा भी रही थी।
पर मैंने बहुत जोर की पकड़ बनाई हुई थी।
उसके पास तड़पने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था।

तभी मैंने देखा कि रश्मि ने जो ब्लाउज पहना है, वह आगे से खुलता है।
मैंने उसके गालों पर किस करते हुए उसके ब्लाउज का एक बटन खोल दिया।

रश्मि ने सकपकाते हुए तुरंत मेरा हाथ पकड़ लिया और बोली- प्लीज ऐसा मत करो। मैंने आपको पहले ही कहा है कि मुझे आपके साथ कुछ नहीं करना।
मैं बोला- पता है, पर मैं तो अब आ चुका हूं। तो ज्यादा नहीं बस थोड़ा सा तुम्हारे जिस्म

का रसपान कर लेने दो। ज्यादा नहीं बस थोड़ा सा इस गोरे मम्मे को छूने दो न!

मैंने ऊपर से ब्लाउज के अंदर दो उंगलियां डाली और रश्मि के मखमली मम्मे को दबाने लगा।
दूसरी तरफ मैं रश्मि के होठों को चूसने लगा।

फिर हम दोनों ही 'आह आह' की सिसकारी भरने लगे।

रश्मि ने मेरे गालों को पकड़ा और मुझे अपने से दूर रहने को कहा।
तभी मैंने अपना पूरा हाथ रश्मि के ब्लाउज के अंदर डाल दिया और उसके नंगे मम्मे को अपने हाथों से दबाने लगा।
उसने जोर से आह की आवाज निकली।

रश्मि- प्लीज राज … ऐसा मत करो, कोई देख लेगा।
मैं- घबराओ मत भाभी, यहां बहुत अंधेरा है और आस-पास कोई नहीं है। किसी को कुछ पता नहीं चलेगा!

और और फिर मैंने ब्लाउज के अंदर से अपना हाथ निकला और उसके एक मम्मे को ब्लाउज के ऊपर से चूमा।

मैं उसकी छाती को चूमने और चाटने लगा ; साथ में ब्लाउज के ऊपर से ही बूब्स को दबा भी रहा था।
रश्मि तड़पने लगी और एकाएक उसका हाथ मेरे सर पर चला गया।

वह मेरे सर को पकड़ कर अपनी छाती पर दबाने लगी।
इस दौरान वह मुझे छोड़ देने की विनती भी कर रही थी।

मैं- बस थोड़ा सा भाभी बस एक और बटन खोलने दो।
और ऐसा करते हुए मैंने रश्मि के ब्लाउज का एक और बटन खोल दिया।

अब और भी अच्छी तरह से उसके मम्मे दिखने लगे।
लेकिन अभी भी उसके आधे मम्मे सफेद ब्रा के अंदर थे।

मैंने अपनी जीभ निकाली और आधे गोरे मम्मे को चाटने लगा।
हॉट क्रीमी बूब्ज़ का मजा मैं ले रहा था और अब रश्मि और जोर से आह आह करने लगी।

उसने मेरा सर पकड़ा और अपने मदमस्त मम्मे से दूर हटाने लगी।

लेकिन मैं भी कहां मानने वाला था, मैंने कहा- बस थोड़ा सा मेरी जान, फिर तुम्हें छोड़ दूंगा। बस ये एक और बटन खोलने दो!
मैंने तीसरा बटन भी खोल दिया।

अब पूरी तरह से रश्मि के मम्मे सफेद ब्रा में बाहर दिखने लगे थे।
मैंने उसके मम्मी को ब्रा के ऊपर से अपने हाथो में अच्छे से पकड़ लिया और उसे दबाते हुए रश्मि के होठों चूमा।

मैंने हाथ से रश्मि के बूब्ज़ को पकड़ा और जोर से दबा दिया, वह अहा हाह की आवाज करने लगी।
अब रश्मि लिप किस में मेरा साथ देने लगी.

तभी उधर से अनीश आया और गेट खोलकर तुरंत ड्राइविंग सीट पर बैठ गया।

उसे अचानक देखकर हम सकपका गए।
रश्मि तो तुरंत अपने ब्लाउज के बटन लगाने लगी और अपनी साड़ी सीधा कर पल्लू चढ़ा

लिया।

अनीश ने यह सब देख लिया था।
उसे सब पता था कि उसके गैर हाजिरी में अभी यहां क्या हुआ था।

उसके बाद अनीश गाड़ी सीधा अपने घर ले गया।
अनीश एक अपार्टमेंट में 2BHK फ्लैट में रहता है।

अंदर आते ही सबसे पहले हम सोफे पर बैठे।

तभी अनीश ने थोड़ा माहौल बनाने के लिए फिर से शराब निकली और पर हम दोनों ने एक-एक पैग लगाया।

रश्मि- ठीक है, तुम लोग पियो, मैं सोने जा रही हूं।
मैं- रश्मि भाभी, कल तो मैं चला जाऊंगा. प्लीज आज कुछ देर के लिए हमारे साथ बैठो न!
अनीश- हां यार बैठो ना … कल तो ये चले ही जायेंगे।

उसके बाद हम शराब और सिगरेट पीने लगे।

रश्मि हमारे सामने वाले सोफे पर बैठकर सिर्फ हमें पीते हुए देख रही थी।

हॉट क्रीमी बूब्ज़ का मजा कहानी पर अपनी राय कमेंट्स और मेल में भेजें.
sk2844779@gmail.com

हॉट क्रीमी बूब्ज़ का मजा कहानी का अगला भाग : पतिव्रता पत्नी जवान लड़के से मजा लेकर चुदी- 6

Other stories you may be interested in

बेवफाई की भी हद होती है- 4

बेवफा वाइफ सेक्स स्टोरी में पति ने खुद पत्नी के मन गैर मर्द से चुदाई की चाह जगा दी. तब बीवी ने कैसे अपने पति की दोस्त से सेक्स का मजा लिया. कहानी के तीसरे भाग पति के दोस्त से […]
Full Story >>>

पतिव्रता पत्नी जवान लड़के से मजा लेकर चुदी- 6

फिंगर फक स्टोरी में ककोल्ड पति के बुलाने पर मैं उसकी बीवी को चोदने उसके घर गया. लेकिन उसकी बीवी सेक्स के लिए मना करने लगी तो मैंने कैसे उसकी वासना जगाई. कहानी के पांचवें भाग शर्मीली बीवी की शर्म […]
Full Story >>>

बेवफाई की भी हद होती है- 3

फिंगरिंग Xxx पुसी का मजा बीवी ने अपने पति के दोस्त से लिया. पति खुद अपनी बीवी को अपने दोस्त के साथ छोड़ कर गया था ताकि दोनों सेक्स के लिए खुल सकें. कहानी के दूसरे भाग पति के दोस्त […]
Full Story >>>

बेवफाई की भी हद होती है- 2

हॉट वासना Xxx कहानी में पति को हठ लगा कि वह अपनी हॉट पत्नी को किसी गैर मर्द या अपने दोस्त से चुदवाये. अपनी इस कामेच्छा को पूरी करने के लिए वह अपने दोस्त को अपने बिस्तर पर ले आया. […]
Full Story >>>

पतिव्रता पत्नी जवान लड़के से मजा लेकर चुदी- 4

शाय वाइफ हिंदीसेक्स कहानी में मेरी कल्पना को साकार करने के लिए मेरी शर्मीली बीवी मान गयी और हमने एक आदमी को बुला भी लिया उसकी चुदाई करने के लिए. कहानी के तीसरे भाग पत्नी को दोस्त का लंड दिखाया […]
Full Story >>>